मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–102

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.-102 : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न-पत्र* **चार** *खण्डों में विभाजित है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

खण्ड—I

1. वेद शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए वेदों का परिचय विस्तारपूर्वक दीजिए। 20

अथवा

ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय देते हुए ब्राह्मणकालीन समाज पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड—II

2. वैदिक संहिताओं के महत्व को बताते हुए उनकी शाखाओं पर विस्तारपूर्वक लिखिए। 20

अथवा

ब्राह्मणों के उद्देश्य बताते हुए प्रतिपाद्य विषयों की विवेचना कीजिए।

खण्ड—III

3. पुराण किसे कहते हैं ? पुराण के दस लक्षणों का विवरण दीजिए। 20

अथवा

उपपुराणों को कितने वर्गों में विभाजित किया गया है तथा महापुराण से आपका क्या अभिप्राय है ?

4. उपनिषद्कालीन समाज का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए। 10

अथवा

पुराणों की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

5. अग्निपुराण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 10

अथवा

पुराण कितने हैं और कौन-कौनसे हैं ?

6. उपपुराणों की संख्या कितनी है ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 10

अथवा

पुराणों के सामाजिक महत्व का वर्णन कीजिए।

भाग—IV

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) पाणिनि के काल का वर्णन कीजिए।

(ख) व्याकरण का महत्व बताइये।

(ग) मीमांसा दर्शन का वर्णन कीजिए।

(घ) अपशब्द के प्रयोग के फल का वर्णन कीजिए।